

संपादकीय : साइबर खतरा

इसमें कोई दोराय नहीं कि आधुनिक तकनीक की वजह से दुनिया भर में लोगों की ज़िंदगी आसान हुई है और इसने बहुस्तरीय विकास को रफ्तार दी है। मगर तकनीक के अद्यतन होते जाने के साथ जैसे-जैसे इसका सार्वजनिक उपयोग एक औपचारिक व्यवस्था का रूप ले रहा है, उसी के समांतर इसके जोखिम भी सामने आ रहे हैं। भारतीय स्टेट बैंक यानी एसबीआइ के हजारों ग्राहकों का डेटा डार्क वेब पर लीक हो जाने की खबर ने एक बार फिर उस जोखिम की गंभीरता और संवेदनशीलता पर विचार की ज़रूरत को रेखांकित किया है, जिसकी अनदेखी की जाती रही है। गौरतलब है कि डेटा लीक की खबर आने के पहले एक हैकर गिरोह ने यह दावा किया था कि उसने एसबीआइ के करीब पौने चार लाख ग्राहकों के निजी ब्योरे हासिल कर लिए हैं। इसके बाद बैंक का तंत्र सक्रिय हुआ और उसकी शुरुआती जांच में तीन हजार आठ सौ सत्तानवे ग्राहकों की निजी पहचान से जुड़ी जानकारी डार्क वेब पर मिलने की पुष्टि की गई। जाहिर है, यह साइबर संसार में लगातार खड़ी हो रही चुनौतियों की ही एक कड़ी है, जिसने यह सोचने पर मजबूर किया है कि आधुनिक तकनीक की सुविधा किस हद तक सुरक्षित है और उसके जोखिम का असर कितना गहरा हो सकता है। एसबीआइ के जिन ग्राहकों का डेटा लीक हुआ है, उसमें उनका नाम, मोबाइल नंबर, ईमेल, पता, आधार और कुछ अन्य ब्योरे शामिल हैं। अभी ग्राहकों के खातों पर कोई खतरा होने की बात नहीं कही गई है। हालांकि डेटा लीक होने की चेतावनी मिलने के बाद एसबीआइ ने अपने सुरक्षा तंत्र को सक्रिय कर दिया, सीईआरटी-इन की एक स्वतंत्र साइबर सुरक्षा एजेंसी को जांच का जिम्मा सौंपा। मगर इस बात

की क्या गारंटी है कि बैंक का अपना तंत्र जब डेटा को सुरक्षित नहीं रख सका, तो इससे इतर खतरों से वह ग्राहकों को बचा लेगा। डार्क वेब पर होने वाली अवांछित गतिविधियां पहले ही वैश्विक स्तर पर एक गंभीर चुनौती बनी हुई थीं। अब उस संजाल में फैले गिरोहों ने जिस तरह बैंकों के डेटा तक पहुंच बनानी शुरू कर दी है, वह दुनिया भर के लिए बेहद चिंता की बात है। इसके अलावा, एक खबर यह भी आई कि भारत में डिजिटल सुरक्षा देने वाली कंपनी ई-मुद्रा में एक तकनीकी गड़बड़ी सामने आने के बाद इलेक्ट्रानिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इसकी जांच के लिए विशेष टीम बनाई है। इसके बाद सरकार ने सफाई दी कि इस खामी का असर कंपनी के सिर्फ विदेशी कारोबार पर पड़ा है। सवाल है कि एसबीआइ के डेटा लीक या ई-मुद्रा में तकनीकी खामी क्या यह नहीं दर्शाती कि अगर आने वाले वक्त में डार्क वेब पर मौजूद या कोई अन्य गिरोह व्यापक और जटिल धोखाधड़ी के लिए साइबर हमला करता है, तो उसका सामना करने के लिए हमारा डिजिटल तंत्र पूरी तरह तैयार नहीं है? मुश्किल यह है कि डार्क वेब यानी इंटरनेट के छिपे हुए हिस्से में जिस तरह डेटा चोरी, उसकी अवैध खरीद-बिक्री का व्यापक संजाल खड़ा हो चुका है, उससे पार पाने के लिए डिजिटल संसार में अब तक कोई सुरक्षा दीवार खड़ी नहीं की जा सकी है। अगर साइबर अपराधियों का कोई गिरोह दुनिया के अलग- अलग देशों के बेहद अहम संस्थानों की संवेदनशील सूचनाओं तक इतनी आसानी से पहुंच बना कर डेटा हैक कर सकते हैं, तो ऐसे में एक आम आदमी अपने बैंक खाते या इंटरनेट पर मौजूद अपनी अन्य निजी जानकारीयों और सामग्री के सुरक्षित होने का भरोसा कैसे करे ?

जांच और सीमा

केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी ने इस सवाल को केंद्र में ला दिया है कि जांच एजेंसी की ताकत का पैमाना केवल छापे, गिरफ्तारियां और संपत्तियों की कुर्की नहीं बल्कि निष्पक्ष पड़ताल और अदालत में आरोपों का साबित होना भी है। अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को कहा कि वह धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई आगे बढ़ाए लेकिन वैधानिक सीमा लोंघकर दूसरी एजेंसियों के अधिकार क्षेत्र में दखल न दे। यह केवल कानूनी प्रक्रिया की हिदायत नहीं, संस्थाओं के बीच अधिकारों के संतुलन का सवाल भी है। यह कोई पहली बार नहीं है जब शीर्ष अदालत ने ईडी की कार्यशैली को लेकर नाराजगी जताई है। पहले भी ऐसे सवाल उठ चुके हैं कि ईडी जिन आरोपों के साथ किसी नेता के खिलाफ कार्रवाई शुरू करती है ये अंतिम तौर पर कितने सही साबित होते हैं और उनमें दोषसिद्ध की दर कितनी है। खुद सरकार की ओर से संसद में पेश आंकड़ों के मुताबिक, जून, 2014 से अक्टूबर, 2025 के बीच ईडी ने धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत छह हजार तीन सौ बारह

मामले दर्ज किए, लेकिन उनमें केवल एक सौ बीस मामलों में सजा संभव हो सकी। कुल मामलों की तुलना में अपराध सिद्ध होने की दर इस संस्था की कार्यशैली को दर्शाती है। जाहिर है, ईडी द्वारा हजारों दर्ज मामलों और अंतिम फैसलों के बीच का अंतर इसकी कार्यशैली से लेकर विश्वसनीयता पर सवाल उठाता है। राजनीतिक निष्पक्षता की कसौटी भी इसी से जुड़ी है। विपक्षी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई में भले बदले का प्रमाण न हो, लेकिन अलग- अलग मामलों में कार्रवाई के मानदंडों को लेकर उठते सवालों का जवाब देना भी ज़रूरी है। सत्ता से निकटता जांच से छूट का आधार नहीं हो सकती और केवल विपक्ष में होना कार्रवाई का कारण नहीं। सुप्रीम कोर्ट की नसीहत का निहितार्थ यही है कि जांच एजेंसी की स्वतंत्रता का प्रमाण उसके अधिकारों की व्यापकता नहीं, बल्कि सत्ता के अनुकूल या प्रतिकूल हुए बिना कानून लागू करने की क्षमता है। विडंबना यह है कि जिस संस्था को निष्पक्षता और ईमानदारी के साथ काम करते अपनी साख बरकरार रखनी चाहिए, उसकी कार्यशैली को लेकर शीर्ष अदालत को हिदायत देनी पड़ती है।

भाजपा-कांग्रेस में फिर महकी परिवारवाद की बगिया

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 अक्टूबर। राजस्थान के जिला परिषद चुनावों में भाजपा और कांग्रेस की प्रत्याशी सूचियों के साथ ही राजनीतिक परिवारों की अगली पीढ़ी और रिश्तेदारों को टिकट देने का मुद्दा भी सामने आया है। दोनों दलों की ओर से जारी सूचियों में नेताओं के बेटे, बहू, बेटियों और पत्नियों को चुनाव मैदान में उतारा गया है। इससे पंचायत चुनाव में परिवारवाद को लेकर सियासी चर्चा तेज होने के आसार हैं। भाजपा ने चित्तौड़गढ़, डीग, भरतपुर, सवाई माधोपुर, श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिला परिषदों के लिए प्रत्याशियों की सूची जारी की है। वहीं कांग्रेस ने हनुमानगढ़, चूरू और श्रीगंगानगर जिला परिषदों के उम्मीदवार घोषित किए हैं। घोषित नामों में कई ऐसे प्रत्याशी हैं, जिनका संबंध पहले से राजनीति में सक्रिय परिवारों से है।

24 अक्टूबर को मनाया जाएगा संयुक्त राष्ट्र दिवस, भवनों पर फहराया जाएगा संयुक्त राष्ट्र ध्वज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 अक्टूबर। उदयपुर जिले में 24 अक्टूबर 2026 को संयुक्त राष्ट्र दिवस के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र संघ का ध्वज फहराया जाएगा। अतिरिक्त जिला कलेक्टर (नगर) जितेन्द्र ओझा द्वारा जारी आदेश के अनुसार, जिले के उन

चूरू में दोनों दलों के नेताओं के परिजनों को टिकट

चूरू जिला परिषद चुनाव में भाजपा ने पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के बेटे पराक्रम सिंह और बहू कनिका को प्रत्याशी बनाया है। वहीं कांग्रेस ने विधायक नरेंद्र बुडानिया की पत्नी को वार्ड-38 से टिकट दिया है। वार्ड-39 से कांग्रेस ने पूर्व विधायक भंवरलाल शर्मा के बेटे को चुनाव मैदान में उतारा है। चित्तौड़गढ़ में निर्दलीय विधायक चंद्रभान सिंह आक्या की पत्नी सुशीला कंवर को भाजपा ने जिला परिषद के वार्ड-16 से टिकट दिया है। भरतपुर जिला परिषद के वार्ड-22 से भाजपा ने आगरा छावनी के पूर्व विधायक गुटयारी लाल दुवेश की बेटी पूजा दुवेश को प्रत्याशी बनाया है। इसी तरह वार्ड-18 से बयाना के पूर्व विधायक बच्चू बंशीवाल की बेटी कनिका सिंह चुनाव लड़ेंगी। कनिका सिंह एलएलबी की विद्यार्थी हैं।

उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति: बायोमैट्रिक उपस्थिति के लिए 30 नवंबर तक अंतिम अवसर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 अक्टूबर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने के लिए अंतिम अवसर प्रदान किया गया है। शैक्षणिक सत्र 2024-25 एवं 2025-26 के विद्यार्थियों के लिए बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने की अंतिम तिथि 30 नवंबर 2026 निर्धारित की गई है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारित विभाग के संयुक्त निदेशक गिरीश भटनागर ने बताया कि विभाग की ओर से सभी छात्र-छात्राओं को निर्धारित तिथि तक अपनी बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित तिथि तक उपस्थिति दर्ज नहीं कराने वाले विद्यार्थी स्वयं जिम्मेदार होंगे। उन्होंने सभी शिक्षण संस्थानों के संस्था प्रधानों को भी अपने स्तर पर छात्र-छात्राओं को इसकी सूचना देने तथा नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित निर्देश दिए हैं।

284 ग्राम पंचायतों में पंच-सरपंच के लिए मतदान शनिवार को

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 अक्टूबर। पंचायतीराज चुनाव-2026 के प्रथम चरण के तहत जिले की 10 पंचायत समितियों की 284 ग्राम पंचायतों में पंच-सरपंच पदों के लिए मतदान शनिवार को होगा। मतदान समाप्ति के तुरंत बाद मतगणना कर परिणाम जारी किए जाएंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव अग्रवाल ने बताया कि प्रथम चरण में 10 पंचायत समितियों की 284 ग्राम पंचायतों में कुल 284 सरपंच तथा कुल 2466 वार्ड पंच पदों के लिए नामांकन प्रक्रिया शुक्रवार को संपन्न हुई। शनिवार को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। मतदान समाप्ति के तुरंत बाद

झाड़ोल पंचायत समिति सभागार की छत गिरी, चुनाव ड्यूटी पर आए पीटीआई का हाथ फ्रैक्चर



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 अक्टूबर। झाड़ोल पंचायत समिति के सभागार में गुरुवार देर रात करीब सवा एक बजे पीवीसी की फॉल्स सीलिंग अचानक गिर गई। हादसे के समय पंचायत

चुनाव में ड्यूटी पर आए कर्मचारी हॉल में सो रहे थे। छत का हिस्सा गिरने से नयागांव क्षेत्र के पाटिया स्कूल में कार्यरत पीटीआई रमेश चंद्र का हाथ फ्रैक्चर हो गया, जबकि दो अन्य कर्मचारियों को भी चोटें आईं। छत गिरने की तेज आवाज से सो रहे कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। घबराकर बाहर निकलने की कोशिश में कुछ कर्मचारी हॉल में रखी टेबलों से टकराकर गिर पड़े। घायल रमेश चंद्र को साथी कर्मचारी झाड़ोल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें उदयपुर रेफर कर दिया गया। अन्य घायलों को उपचार के बाद छुटी दे दी गई। पंचायत चुनाव की ड्यूटी पर आई मतदान टीमों के ठहरने की व्यवस्था सभागार में की गई थी। बताया गया कि करीब दो साल पहले ही लगाई गई पीवीसी सीलिंग के लोहे के स्क्रू और अन्य हिस्सों में जंग लगने से ढांचा कमजोर हो गया था। काम समय में छत गिरने की घटना ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

खराड़ी बोले- विरोध करने वालों का मुंह काला कर गांव से निकालें



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 अक्टूबर। कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने ओगणा में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ही एकमात्र ऐसा देश है, जहां हिंदू सुरक्षित रह सकता है। उन्होंने कहा कि जो लोग खुद को हिंदू नहीं मानते, क्या

वे हमारी पुरानी परंपराएं बंद कर देंगे? ऐसे लोग गांव में आए तो उनका मुंह काला कर बाहर निकाल देना चाहिए। खराड़ी ने आदिवासी समाज की पूजा पद्धतियों और सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि नेता और पार्टियां आती-जाती रहेंगी, लेकिन समाज की संस्कृति, संस्कार और सनातन धर्म कायम रहने चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि भारत और सनातन परंपरा नहीं रही तो लोगों के सामने समुद्र में डूबने या ऊपर जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा।

राष्ट्रीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप में उदयपुर के शौर्यवीर, सूर्यभान और काव्यांश दिख्राएंगे दमखम



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 अक्टूबर। दिल्ली में आयोजित हो रही 70वीं स्कूल गोम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की अंडर-14 राष्ट्रीय स्कूल बॉक्सिंग

प्रतियोगिता में उदयपुर के तीन खिलाड़ी राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे। इनमें शौर्यवीर मेहता, सूर्यभान सिंह सांखला और काव्यांश सालवी शामिल हैं। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के बॉक्सिंग प्रशिक्षक नरपत सिंह चुंडावत के अनुसार शौर्यवीर 32 किलो, सूर्यभान 30 किलो और काव्यांश 34 किलो भार वर्ग में मुकाबला करेंगे। हाल ही अलवर में आयोजित प्रतियोगिता में उदयपुर के बॉक्सरों ने चैंपियनशिप जीती थी। राजस्थान टीम में सर्वाधिक खिलाड़ी उदयपुर के हैं। तीनों बॉक्सर श्री हेमराज राष्ट्रीय व्यायामशाला में प्रशिक्षण ले रहे हैं।

राजस्थान विद्यापीठ के प्लेसमेंट ड्राइव में 58 विद्यार्थियों का चयन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 अक्टूबर। जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी विभाग की ओर से आयोजित कैपस प्लेसमेंट एवं इंटरनशिप ड्राइव में 135 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विभिन्न चरणों की चयन प्रक्रिया के बाद 58 विद्यार्थियों का प्लेसमेंट और इंटरनशिप के लिए चयन हुआ। कुलपति प्रो. मंजू माण्डोट ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि रोजगार के लिए डिग्री के साथ तकनीकी दक्षता, संवाद कौशल और व्यावहारिक ज्ञान भी ज़रूरी है। विश्वविद्यालय का लक्ष्य विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। ड्राइव में पांच कंपनियों के

प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इनमें एड्डोइट जॉन्स से चेतन शाकद्वीपी, आईसीआईसीआई बैंक से संबद्ध आईटीएम से राजेंद्र पाल सैनी, कोड प्रेरानेटरा से धर्मेश पालीवाल, एसएनवी से आशीष बाहेती और वेक्सनोर से बेददास भंडारी शामिल रहे। चयन प्रक्रिया में प्री-प्लेसमेंट वार्ता, योग्यता एवं तकनीकी परीक्षण, समूह चर्चा और व्यक्तिगत साक्षात्कार के जरिए विद्यार्थियों की क्षमताओं का आकलन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. मनीष श्रीमाली, डॉ. भारत सिंह देवड़ा, डॉ. गौरव गर्ग, डॉ. दिनेश श्रीमाली, डॉ. प्रदीप सिंह शक्तावत, डॉ. भरत सुखवाल, डॉ. ललित सालवी, मुकेश नाथ, दुर्गाशंकर, विभुवन सिंह बमनिया और मनोज यादव सहित शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। संचालन डॉ. दिलीप चौधरी ने किया।

असारवा—प्रयागराज स्पेशल रेलसेवा का हिम्मतनगर स्टेशन पर संचालन समय में आंशिक परिवर्तन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। रेलवे द्वारा असारवा—प्रयागराज स्पेशल रेलसेवा के हिम्मतनगर स्टेशन पर आगमन एवं प्रस्थान समय

में आंशिक परिवर्तन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री अमित सुदर्शन के अनुसार, गाड़ी संख्या 04166, असारवा—प्रयागराज स्पेशल रेलसेवा जो दिनांक 29 अक्टूबर, 2026 से असारवा से प्रस्थान करेगी, वह हिम्मतनगर स्टेशन पर परिवर्तित समय 10:20 बजे आगमन तथा 10:22 बजे प्रस्थान करेगी।



बधाई हो!!रिश्वत के रावण अभी जिंदा है : बांसवाड़ा के बीएड कॉलेज में डायरेक्टर सहित तीन गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा, 23 अक्टूबर। रावण भले ही जल गया हो मगर रिश्वत का रावण तो अभी जिंदा है। उसे लगता है कार्ड नहीं मार सकता। नाभी में तीर लगने से रावण तो मर गया था मगर रिश्वत के रावणों पर कितने भी तीर चलाओ, कोई असर नहीं होता। एक मरता है तो दूसरा उसकी जगह ले लेता है। अबकी बार बांसवाड़ा जिले के बड़ोदिया स्थित ग्लोबल बीएड कॉलेज में विद्यार्थियों की उपस्थिति दर्ज करने और इंटरनशिप के रिलीविंग लेटर जारी करने के बदले रिश्वत मांगने के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने कॉलेज के डायरेक्टर सहित तीन जनों को गिरफ्तार किया है। ट्रेप कार्रवाई के दौरान कॉलेज के शिक्षक भूपेंद्र जैन को एक विद्यार्थी से 5 हजार रुपए लेते रंगे हाथों पकड़ा गया। आरोप है कि विद्यार्थियों से प्रति छात्र 20 हजार रुपए मांगे जा रहे थे।

एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर बांसवाड़ा इकाई ने शिकायत मिलने के बाद 21 और 22 अक्टूबर को रिश्वत मांगने के आरोपों का सत्यापन कराया। सत्यापन के दौरान डायरेक्टर सिद्धांत जैन, राजनीतिक विज्ञान की लेक्चरर सुनीता जैन और रसायन विज्ञान के शिक्षक भूपेंद्र जैन की भूमिका सामने



आई। शिकायत की पुष्टि होने के बाद एसीबी उदयपुर रेंज के प्रभारी पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित के सुपरविजन में

कार्रवाई की योजना बनाई गई।

शिक्षक को 5 हजार लेते पकड़ा, डायरेक्टर और लेक्चरर भी गिरफ्तार

शुक्रवार को एसीबी बांसवाड़ा के उप अधीक्षक रतन सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में टीम ने ट्रेप कार्रवाई की। इस दौरान भूपेंद्र जैन शिकायतकर्ता से 5 हजार रुपए लेते मिला। एसीबी ने उसे मौके पर पकड़ लिया। रिश्वत की मांग के सत्यापन में डायरेक्टर सिद्धांत जैन और लेक्चरर सुनीता जैन की भूमिका सामने आने पर दोनों को भी गिरफ्तार किया गया। आरोपी छात्रों की अटेंडेंस मैनेज करने और इंटरनशिप के रिलीव लेटर देने के लिए प्रति स्टूडेंट 20 हजार की डिमांड कर रहे थे। जानकारी के अनुसार, सिद्धांत जैन कॉलेज का डायरेक्टर होने के साथ उसका मालिक भी है। कॉलेज में करीब 600 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के सुपरविजन में आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। ब्यूरो ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

बैंक खुलने से पहले कर्मचारी ने लगा ली फांसी, देवली की केनरा बैंक शाखा में मिला शव



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 अक्टूबर। टोंक जिले के देवली में केनरा बैंक की शाखा के अंदर शुक्रवार सुबह एक कर्मचारी का शव फंदे से लटका मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान 36 वर्षीय धनराज मीणा के रूप में हुई है, जो बैंक में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के तौर पर काम करता था। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर अस्पताल पहुंचाया।

पुलिस के अनुसार, धनराज सुबह बैंक पहुंचा और मुख्य द्वार को अंदर से बंद कर लिया। सुबह करीब 9:30 बजे जब दूसरे कर्मचारी शाखा पहुंचे तो उन्होंने काफी देर तक दरवाजा खटखटया और आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद दूसरी चाबी से दरवाजा खोलकर कर्मचारी अंदर पहुंचे तो पहली मंजिल पर स्थित लोन विभाग में धनराज फंदे से लटका मिला।

लोन विभाग में मिला शव

देवली थानाधिकारी प्रीति रतू ने बताया कि धनराज ने लोन विभाग में एक टेबल से फाड़लें और अन्य सामान हटाया था। इसके बाद टेबल पर चढ़कर पंखे से रस्सी बांधी और फंदा लगा लिया। बैंक कर्मचारियों ने उसे नीचे उतारने की कोशिश की, लेकिन फंदा कसा होने के कारण सफलता नहीं मिली। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

15 साल से बैंक में कर रहा था काम

बैंक मैनेजर एनके मीणा के मुताबिक, धनराज वर्ष 2011 में शाखा खुलने के समय से ही यहां हाउसकीपिंग का काम कर रहा था। वह मूल रूप से भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर क्षेत्र के जालमपुरा गांव का रहने वाला था और देवली में पत्नी तथा दो बच्चों के साथ रहता था। घटना के बाद बैंक परिसर में लोगों की

आवाजाही रोक दी गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले की जांच की जा रही है और धनराज के साथ काम करने वाले कर्मचारियों से भी पूछताछ की जा रही है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। बैंक खुलने से पहले कर्मचारी ने लगा ली फांसी, देवली की केनरा बैंक शाखा में मिला शव

टोंक, 23 अक्टूबर। टोंक जिले के देवली में केनरा बैंक की शाखा के अंदर शुक्रवार सुबह एक कर्मचारी का शव फंदे से लटका मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान 36 वर्षीय धनराज मीणा के रूप में हुई है, जो बैंक में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के तौर पर काम करता था। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर अस्पताल पहुंचाया।

पुलिस के अनुसार, धनराज सुबह बैंक पहुंचा और मुख्य द्वार को अंदर से बंद कर लिया। सुबह करीब 9:30 बजे जब दूसरे कर्मचारी शाखा पहुंचे तो उन्होंने काफी देर तक दरवाजा खटखटया और आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद दूसरी चाबी से दरवाजा खोलकर कर्मचारी अंदर पहुंचे तो पहली मंजिल पर स्थित लोन विभाग में धनराज फंदे से लटका मिला।

लोन विभाग में मिला शव

देवली थानाधिकारी प्रीति रतू ने बताया कि धनराज ने लोन विभाग में एक टेबल से फाड़लें और अन्य सामान हटाया था। इसके बाद टेबल पर चढ़कर पंखे से रस्सी बांधी और फंदा लगा लिया। बैंक कर्मचारियों ने उसे नीचे उतारने की कोशिश की, लेकिन फंदा कसा होने के कारण सफलता नहीं मिली। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

15 साल से बैंक में कर रहा था काम

बैंक मैनेजर एनके मीणा के मुताबिक, धनराज वर्ष 2011 में शाखा खुलने के समय से ही यहां हाउसकीपिंग का काम कर रहा था। वह मूल रूप से भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर क्षेत्र के जालमपुरा गांव का रहने वाला था और देवली में पत्नी तथा दो बच्चों के साथ रहता था। घटना के बाद बैंक परिसर में लोगों की आवाजाही रोक दी गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले की जांच की जा रही है और धनराज के साथ काम करने वाले कर्मचारियों से भी पूछताछ की जा रही है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

वेब सीरीज ‘फर्जी’ देखकर बनाया नकली नोटों का गिरोह, मास्टरमाइंड मिश्रा लुधियाना से गिरफ्तार



24न्यूजअपडेट

डूंगरपुर, 23 अक्टूबर। नकली भारतीय मुद्रा बनाने और उसकी सप्लाई करने वाले गिरोह के कथित मास्टरमाइंड रवि कुमार मिश्रा को डूंगरपुर पुलिस ने पंजाब के लुधियाना रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया है। आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस टीम ने तीन दिन तक करीब 1300 किलोमीटर पीछा किया। उसकी गिरफ्तारी के बाद पूछताछ और तकनीकी जांच के आधार पर तीन अन्य आरोपियों को भी अलग-अलग राज्यों से पकड़ा गया है। पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार के अनुसार, 30 सितंबर को रामसागड़ा थाना क्षेत्र के माड़ा स्कूल ग्राउंड से भावेश खटीक और नयन जोशी को 4 लाख 95 हजार 500 रुपए के जाली नोटों के साथ गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ में उत्तर प्रदेश निवासी रवि कुमार मिश्रा का नाम कथित मास्टरमाइंड के रूप में सामने आया। पुलिस कार्रवाई की भनक लगने के बाद वह डूंगरपुर से फरार हो गया था। जिला पुलिस की साइबर सेल और विशेष टीम ने उसकी लोकेशन ट्रेस कर पीछा किया और

अंततः लुधियाना रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया।

अलग-अलग राज्यों से तीन आरोपी पकड़े

रवि मिश्रा से पूछताछ के बाद पुलिस ने हरियाणा के अंबाला निवासी आनंद राजपूत, कानपुर निवासी आरिफ मोहम्मद उर्फ अंकित और छत्तीसगढ़ निवासी तरुण मालेकर को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, आनंद ने नोट छापने के लिए कागज मंगवाने और प्रिंटिंग की जानकारी उपलब्ध कराई थी। आरिफ टेलीग्राम पर ‘अंकित पेपर सेलर’ नाम से चैनल चलाकर जाली नोट बनाने में इस्तेमाल होने वाला कागज उपलब्ध कराता था। वहीं, तरुण ने रवि को 500 रुपए के नोटों की पीएसडी फाइलें भेजी थीं।

‘फर्जी’ वेब सीरीज से मिला नकली नोट बनाने का विचार

पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों को वेब सीरीज ‘फर्जी’ देखने के बाद नकली भारतीय मुद्रा तैयार करने का विचार आया। पुलिस के अनुसार, आनंद राजपूत ने यूट्यूब और फोटोशॉप की मदद से नकली नोट छापने का तरीका सीखा था। वह चीन की ऑनलाइन कंपनी अलीबाबा से विशेष कागज भी मंगवाता था। इस मामले में गिरोह के दो सदस्य पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके थे। अब मास्टरमाइंड सहित तीन अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस जाली नोट तैयार करने, कागज और डिजिटल फाइलें उपलब्ध कराने तथा उनकी सप्लाई से जुड़े नेटवर्क की पड़ताल कर रही है।

सीकर में 17 वर्षीय नीट अभ्यर्थी ने हॉस्टल में की आत्महत्या, कमरे में नहीं मिला सुसाइड नोट

24न्यूजअपडेट

सीकर , 23 अक्टूबर। सीकर में नीट की तैयारी कर रहे 17 वर्षीय छात्र ने शुक्रवार को निजी हॉस्टल के कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्र कमरे में अकेला था। दोपहर करीब 1:30 बजे कोचिंग से लौटे उसके रूममेट ने दरवाजा अंदर से बंद पाया। कई बार आवाज देने पर भी दरवाजा नहीं खुला तो हॉस्टल स्टाफ को सूचना दी गई। बाद में

दरवाजा खोलने पर छात्र फंदे से लटका मिला। पुलिस के अनुसार, छात्र सीकर में निजी कोचिंग संस्थान से नीट की तैयारी कर रहा था और दोपहर की शिफ्ट में कक्षा लेने जाता था। सूचना पर पहुंची पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। छात्र के मोबाइल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर जांच की जा रही है। परिजनों की मौजूदगी में शाम करीब छह बजे शव का पोस्टमार्टम कराया गया। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

अजमेर में स्क्रेप गोदाम के पुराने टायरों में भड़की आग, दमकल की तीन गाड़ियों ने संभाला मोर्चा

24न्यूजअपडेट

अजमेर, 23 अक्टूबर। नाका मदार के ज्ञानोदय नगर में शुक्रवार दोपहर मोटर पार्ट्स और लोहे के स्क्रेप के गोदाम में आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। गोदाम में रखे पुराने रबड़ के टायर आग की चपेट में आ गए। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने में जुट गईं। दमकलकर्मियों ने पानी की बौछारों से आग को फैलने से रोका। समय रहते आग पर काबू पा लेने से आसपास के रिहायशी और व्यावसायिक परिसरों तक लपटें नहीं पहुंचीं। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अग्निशमन कर्मचारी सुकेश के अनुसार, फायर कंट्रोल रूम को गोदाम में आग लगने

की सूचना मिली थी, जिसके बाद तत्काल तीन दमकल वाहन रवाना किए गए। मौके पर पहुंची टीम ने काफी मशकत के बाद आग बुझाई। घटना की जानकारी मिलने पर अलवर गेट थाना पुलिस भी पहुंची और मामले की जांच शुरू की।

गोदाम संचालक बोले, कुछ पुराने टायर ही जले

गोदाम संचालक अजय जैन ने बताया कि ज्ञानोदय नगर में मोटर पार्ट्स और लोहे के स्क्रेप का किराए का गोदाम है, जहां रबड़ के पुराने टायर रखे हुए थे। उनके अनुसार, किसी चिगारी से टायरों में आग लगी। आग से कुछ पुराने टायर जले हैं और कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

स्वरूपसागर मार्ग पर कार की टक्कर से युवक घायल

उदयपुर, 23 अक्टूबर। हाथीपोल थाना पुलिस ने वाहन लापरवाही से चलाने और चोट पहुंचाने के आरोप में प्रकरण दर्ज किया है। मल्लातलाई के सज्जनगर रोड, अंबामाता निवासी मनीष डांगी (21), पुत्र भगवती प्रसाद डांगी, ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि स्विफ्ट डिजायर कार (RJ27 TB 1608) के चालक ने कथित तौर पर गफलत से वाहन चलाते हुए उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी, जिससे उन्हें चोट आई। पुलिस के अनुसार घटना 4 अक्टूबर को दोपहर करीब 12:30 बजे स्वरूपसागर क्षेत्र में हुई अनुसंधान हेड कांस्टेबल लोकेश को सौंपा गया है।

युवक से मारपीट का मामला दर्ज

उदयपुर, 23 अक्टूबर। पहाड़ा थाना पुलिस ने मारपीट के आरोप में प्रकरण दर्ज किया है। भगोर फला, सरंरा निवासी संजय कुमार (29) ने शिकायत में आरोप लगाया कि उनके साथ मारपीट की गई। शिकायत में पीयूष मीणा और उसके परिजनों के नाम सामने आए हैं। पुलिस के अनुसार घटना 21 अक्टूबर को शाम करीब 7:30 बजे हुई। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 126(2) और 3(5) लगाई गई हैं। पुलिस घटना की परिस्थितियों और आरोपितों की भूमिका की जांच कर रही है। अनुसंधान सहायक उपनिरीक्षक कालूलाल कर रहे हैं।

डाकन कोटड़ा में मेले से लौटते समय मारपीट, सवीना थाने में मामला दर्ज

उदयपुर, 23 अक्टूबर। सवीना थाना क्षेत्र के डाकन कोटड़ा में मेले से घर लौटते समय मारपीट का मामला सामने आया है। खेडवा फला, डाकन कोटड़ा निवासी मीतूलाल (30), पुत्र मांगीलाल, की शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। शिकायत के अनुसार 21 अक्टूबर को रात करीब 10 बजे मेले से घर लौटने के दौरान उनके साथ मारपीट की गई। पुलिस ने 22 अक्टूबर को लिखित रिपोर्ट के आधार पर प्रकरण संख्या 372/ 2026 दर्ज किया। पुलिस शिकायत में बताए गए घटनाक्रम और संबंधित पक्षों की भूमिका की जांच कर रही है। अनुसंधान सहायक उपनिरीक्षक जीवतराम कर रहे हैं।

डाकन कोटड़ा में मारपीट का दूसरा मामला भी दर्ज

उदयपुर, 23 अक्टूबर। सवीना थाना पुलिस ने डाकन कोटड़ा क्षेत्र में मारपीट की एक अन्य शिकायत पर भी प्रकरण दर्ज किया है। उपलब्ध पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार घटना 21 अक्टूबर 2026 को रात करीब 10 बजे की है। मेले से घर लौटने के दौरान मारपीट किए जाने की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस ने 22 अक्टूबर को लिखित रिपोर्ट के आधार पर प्रकरण संख्या 373/ 2026 दर्ज किया। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 126(2) और 3(5) लगाई गई हैं। पुलिस घटना के कारणों और इसमें शामिल लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। इस मामले के विवरण में शिकायतकर्ता और आरोपितों के नाम स्पष्ट रूप से अलग-अलग दर्ज नहीं हैं।

शोभागपुरा में अंधेड़ से मारपीट

उदयपुर, 23 अक्टूबर। सुखेर थाना पुलिस ने शोभागपुरा निवासी विजय कुमार चौधरी (50), पुत्र डालचंद चौधरी, की शिकायत पर मारपीट का मामला दर्ज किया है। ज्योति नगर निवासी चौधरी ने आरोप लगाया कि उनके साथ मारपीट कर चोटें पहुंचाई गईं। शिकायत में केशव, दीपक और मनीष के नाम सामने आए हैं। लिखित रिपोर्ट के आधार पर प्रकरण संख्या 457/ 2026 दर्ज किया। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2) और 126(2) लगाई गई हैं। पुलिस आरोपों की जांच कर रही है। उपलब्ध रिकॉर्ड में घटना की तारीख और समय स्पष्ट नहीं हैं।

भाइयों से मारपीट का आरोप, करीब दस लोगों के खिलाफ शिकायत

उदयपुर, 23 अक्टूबर। भींडर थाना पुलिस ने सवना क्षेत्र में दो भाइयों के साथ मारपीट की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। रामेला, सवना थाना खेरोदा निवासी नानालाल (30), पुत्र बाबरूजी रावत, ने शिकायत में आरोप लगाया कि उनके और उनके भाई उदयलाल के साथ मारपीट की गई। शिकायत में उपला सेमलिया निवासी पिटू सहित करीब दस लोगों के नाम होने का उल्लेख है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार घटना 21 अक्टूबर 2026 को रात करीब 11 बजे सवना क्षेत्र में हुई। 22 अक्टूबर को रात 9:53 बजे प्रकरण संख्या 161/ 2026 दर्ज किया गया।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com
wathsapp : 8852073787

शक्तिनगर बॉटलनेक की राह खुली, शनिवार से शुरू होगा निर्माण; दीपावली तक काम पूरा करने का लक्ष्य



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 अक्टूबर। उदयपुर। उदयपुर शहर के बहुप्रतीक्षित शक्तिनगर बॉटलनेक के समाधान का रास्ता आखिरकार साफ हो गया है। नगर निगम महापौर पारस सिंघवी के विशेष प्रयासों और विस्थापित परिवारों के साथ सकारात्मक संवाद के बाद इस महत्वपूर्ण कार्य को शुरू करने पर सहमति बन गई है। शुक्रवार को महापौर कार्यालय में आयोजित बैठक में सभी संबंधित विस्थापित परिवारों की सहमति से शनिवार से निर्माण कार्य प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया। नगर निगम द्वारा दीपावली से पहले शहरवासियों को इस महत्वपूर्ण विकास कार्य की सौगात देने की दिशा में कदम बढ़ा दिया गया है।

महापौर पारस सिंघवी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना, उपनगर नियोजक सिराजुद्दीन, अधिशासी अभियंता अखिल गोयल, निगम पुलिस निरीक्षक मंगीलाल डांगी, क्षेत्रीय पार्षद विजय आहुजा सहित शक्तिनगर बॉटलनेक से संबंधित सभी आठ विस्थापित परिवारों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में लंबे समय से लंबित प्रकरण पर विस्तार से चर्चा की गई तथा आपसी सहमति से समाधान निकालते हुए निर्माण कार्य शुरू करने का मार्ग प्रशस्त किया गया।

सात दिन में जमा करानी होगी शेष राशि
बैठक में सहमति बनी कि जिन विस्थापित परिवारों ने निर्धारित राशि अभी तक जमा नहीं कराई है, वे आगामी सात दिवस में राशि जमा कराएंगे। वहीं, जिन दो परिवारों को भूखंड के बदले राशि दी जानी

है, उन्हें नगर निगम की ओर से शुक्रवार को ही चेक प्रदान कर दिए गए हैं। इससे प्रकरण के शेष वित्तीय एवं प्रशासनिक पहलुओं का समाधान सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। बैठक में यह भी तय किया गया कि सभी संबंधित परिवारों द्वारा निर्धारित राशि जमा कराने के 30 दिवस के भीतर अधिग्रहित भूमि के बदले आवंटित किए जाने वाले भूखंडों के आवंटन जाएंगे। इसके साथ ही सभी संबंधित पत्र एवं कब्जा पत्र जारी कर दिए जाएंगे। इसके साथ ही सभी संबंधित भूखंडधारकों द्वारा समर्पित भूमि का कब्जा शुक्रवार को ही नगर निगम को सौंप दिया जाएगा। भूमि का कब्जा मिलने के बाद निगम द्वारा भराव हटाने, सड़क निर्माण और नालियों के निर्माण सहित आवश्यक विकास कार्य तत्काल प्रभाव से शनिवार से ही शुरू कर दिए जाएंगे जिससे दीपावली तक कार्य संपूर्ण हो सके।

महापौर सिंघवी की पहल से वर्षों से लंबित कार्य को मिली गति

शक्तिनगर बॉटलनेक की समस्या के समाधान को लेकर नगर निगम लंबे समय से प्रयासरत था, लेकिन विभिन्न कारणों से सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आ पा रहे थे। इस महत्वपूर्ण समस्या के समाधान के लिए महापौर पारस सिंघवी ने पहल करते हुए संबंधित परिवारों के प्रतिनिधि सुनील कालरा, पुरुषोत्तम लीलानी, ओमप्रकाश डोडेजा, संजय पाहुजा, स्वरूप विनोद तुलसीजा, नन्दलाल बुद्धराज, मनोज कालरा सुजाता कालरा और निगम अधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित किया। शुक्रवार को आयोजित बैठक में सभी पक्षों की बात सुनकर व्यावहारिक समाधान पर सहमति बनाई गई। महापौर पारस

सिंघवी के प्रयासों से बनी इस सहमति को शहर के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। बॉटलनेक के समाधान से संबंधित सड़क एवं आधारभूत संरचना विकास कार्यों को गति मिलेगी और क्षेत्र में आवागमन को

बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

दीपावली से पहले विकास कार्य की सौगात

नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना ने बताया कि निगम का प्रयास है कि दीपावली से पहले इस महत्वपूर्ण कार्य को गति देकर शहरवासियों को राहत प्रदान की जाए। शनिवार से निर्माण कार्य शुरू होने के साथ ही शक्तिनगर बॉटलनेक के समाधान की दिशा में लंबे समय से प्रतीक्षित कार्रवाई धरातल पर उतरने जा रही है। महापौर पारस सिंघवी की पहल और सभी संबंधित पक्षों की सहमति से लिया गया यह निर्णय उदयपुर के विकास कार्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित होगा।

विजय आहुजा बोले- सबके प्रयास लाए रंग



वार्ड 28 से पार्षद व विरिष्ठ भाजपा नेता विजय आहुजा ने बताया कि सबके प्रयास रंग लाए हैं। बहुत समय से कार्य लंबित था। हम चुनाव के बाद से प्रयासरत थे। दो जनों के चेक देने थे वो दे दिए, तीन जने सात दिन में पेमेंट जमा करवा देंगे फिर पट्टे आदि की कार्रवाई की जाएगी। रोड का काम, सफाई नाला आदि काम शनिवार से शुरू हो जाएंगे। कारें निकलेगी, बड़ी बसें व 407 नहीं निकल सकेंगे। यहां पर ओवरहेड वीरिफाइड लगाएंगे। नौ से दस फीट उंचा होगा। ट्रांसफार्मर हटेगा। सामने से दो कट खुलेंगे। नो पार्किंग का बोर्ड लगेगा। महापौरजी व विधायकजी के नेतृत्व में सामूहिक प्रयास हुए। प्रशासनिक अधिकारियों का भी साथ मिला।

उदयपुर में टीवीएस मोटर की नई डीलरशिप शुरू, मंगलम मोबिलिटी पर मिलेंगे यात्री व मालवाहक थ्री-व्हीलर



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 अक्टूबर। यात्री परिवहन और माल ढुलाई के क्षेत्र में बढ़ती जरूरतों को देखते हुए टीवीएस मोटर कंपनी ने उदयपुर में अपनी अधिकृत डीलरशिप मैसर्स मंगलम मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड शुरू की है। गोवर्धन विलास-सवीना क्षेत्र में पालीवाल सदन स्थित यह डीलरशिप कंपनी के विस्तार देने के साथ राजस्थान में उसके बिक्री एवं सर्विस नेटवर्क को मजबूत करेगी। यहां ग्राहकों को यात्री और मालवाहक श्रेणी के थ्री-व्हीलर वाहनों

के क्षेत्रों में ग्राहकों तथा कारोबारियों की परिवहन संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। थ्री-व्हीलर वाहन यात्री परिवहन के साथ छोटे कारोबारियों, दुकानदारों और माल ढुलाई से जुड़े व्यवसायों के लिए भी उपयोगी विकल्प हैं। डीलरशिप के उद्घाटन समारोह में टीवीएस मोटर कंपनी के कमर्शियल मोबिलिटी विजनेस (सीएमवी) के विजनेस हेड रजत गुप्ता शामिल हुए। उनके साथ डीलर पार्टनर यश अग्रवाल, रवींद्र अग्रवाल और गगन अग्रवाल भी मौजूद रहे। रजत गुप्ता ने कहा कि उदयपुर यात्री और मालवाहक थ्री-व्हीलर वाहनों के लिहाज से महत्वपूर्ण बाजार है। मंगलम

मोबिलिटी के साथ साझेदारी से क्षेत्र के ग्राहकों और व्यवसायों की बदलती परिवहन जरूरतों को बेहतर तरीके से पूरा किया जा सकेगा। कंपनी का जोर ऐसा मजबूत बिक्री और सर्विस नेटवर्क तैयार करने पर है, जिससे ग्राहकों को लगातार बेहतर अनुभव मिले और कमर्शियल मोबिलिटी कारोबार को भी गति मिले।

राजस्थान में 25 बिक्री और 25 सर्विस केंद्र

टीवीएस मोटर कंपनी के अनुसार राजस्थान में उसके 25 बिक्री केंद्र और 25 सर्विस टचपॉइंट संचालित हैं। जयपुर, अजमेर, बीकानेर, जोधपुर, सीकर और भरतपुर जैसे प्रमुख बाजारों में कंपनी की मौजूदगी है। उदयपुर में मंगलम मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड की शुरुआत इसी नेटवर्क विस्तार की कड़ी है। नई डीलरशिप के जरिए कंपनी का लक्ष्य ग्राहकों तक अपने कमर्शियल वाहनों की पहुंच बढ़ाना और बिक्री के बाद की सेवाओं को सुलभ बनाना है। कंपनी यात्री एवं माल परिवहन की जरूरतों के अनुरूप भरोसेमंद और उपयोगी मोबिलिटी समाधान उपलब्ध कराने पर ध्यान दे रही है।

ब्लॉक कांग्रेस का पुलिस व प्रशासन पर आचार संहिता उल्लंघन का आरोप, जिला निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन



24 न्यूज अपडेट

गोगुंदा। गोगुंदा में निर्वाचन प्रक्रिया को प्रभावित करने और आमजन को धमकाने का आरोप लगाते हुए पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है। भूमि विकास बैंक के चेयरमैन मथुरेश नागदा एवं पूर्व उपजिला प्रमुख श्याम चौधरी के नेतृत्व में शुक्रवार को एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की।

पुलिसकर्मी और पटवारी पर वोटरों को धमकाने का आरोप

जिला निर्वाचन अधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि सायरा पुलिस थाने में पिछले छह वर्षों से पदस्थापित कांस्टेबल द्वारा आम लोगों को डरा-धमकाकर सत्ता पक्ष के समर्थन में मतदान करने का दबाव बनाया जा रहा है। आरोप

है कि कांस्टेबल द्वारा झूठे मामलों में फंसाने और जेल भेजने की धमकियां दी जा रही हैं। इसके अलावा, ओगणा तहसील में पदस्थापित पटवारी पर भी पद के दुरुपयोग का आरोप लगा है। ज्ञापन के अनुसार, पटवारी की पत्नी चुनाव में प्रत्याशी हैं। पटवारी द्वारा अपने पद का लाभ उठाकर मतदाताओं पर अपनी पत्नी के पक्ष में वोट देने का प्रशासनिक दबाव बनाया जा रहा है, जिससे निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया प्रभावित हो रही है।

अभद्र टिप्पणी और कार्यकर्ताओं को नोटिस देने का आरोप

प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन में 20 अक्टूबर का जिक्र करते हुए बताया कि जिला परिषद उदयपुर के वार्ड संख्या 2 के चुनाव प्रचार के दौरान व्यक्ति ने सार्वजनिक सभा में कांग्रेस प्रत्याशी के विरुद्ध आपत्तिजनक एवं अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिया। प्रत्याशी की व्यक्तिगत व राजनीतिक छवि

को नुकसान पहुंचा है। इसके अतिरिक्त, कांग्रेस कार्यकर्ता अधिवक्ता को भी नोटिस देकर चुनावी कार्य से दूर रहने का दबाव बनाने का आरोप लगाया गया है।

कड़ी कार्रवाई और एफआईआर दर्ज करने की मांग कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने मांग की है कि: इन सभी गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच की जाए और दोषी कर्मचारियों व अधिकारियों के खिलाफ सेवा नियमों एवं निर्वाचन कानूनों के तहत कड़ी कार्रवाई की जाए।

अभद्र भाषा का प्रयोग करने वाले के विरुद्ध तुरंत एफआईआर (FIR) दर्ज की जाए। क्षेत्र में स्वतंत्र, निष्पक्ष और भयमुक्त निर्वाचन प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए।

प्रतिनिधिमंडल में ये रहे मौजूद

इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में पूर्व पार्षद अजय पोरवाल, ब्लॉक अध्यक्ष रामसिंह चदाणा, ल्याण सिंह राव, कमल चौधरी, प्रतापसिंह राठौड़, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव दिनेश श्रीमाली, शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष शंकर चंदेल, पार्षद अजीत सिंह चौधरी, लक्ष्मी लाल मेघवाल, पूर्व पार्षद गिरीश भारती, देहात जिला महासचिव प्रहलाद सिंह झाला, राव साहब, भेरूलाल मेघवाल, दीपक सिंह परमार, महेंद्र खामोश, गोगुंदा ब्लॉक प्रभारी एडवोकेट धर्मेश पालीवाल एवं सह प्रभारी एडवोकेट राजेश तेली सहित कई कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उदयपुर में 26 अक्टूबर से श्री सद्गुरु कबीर चरितम कथा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 अक्टूबर। “इस संसार में कोई भी ऊंचा या नीचा नहीं है। सभी जीवों में एक ही आत्मा का वास है। मनुष्य को जाति-पाति के भेदभाव से ऊपर उठकर एक-दूसरे के प्रति प्रेम, समभाव और सद्भावना रखनी चाहिए।” यह विचार कबीर ज्ञान आश्रम के महंत तपस्वी साहेब ने शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि जनमानस में प्रेम, सद्भाव और आत्मज्ञान का संदेश प्रसारित करने के उद्देश्य से उदयपुर में पहली बार श्री सद्गुरु कबीर चरितम कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा 26 अक्टूबर से 1 नवंबर तक सुहालका

भवन में प्रतिदिन दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक होगी। महंत तपस्वी साहेब ने कहा कि समाज में व्याप्त अंधविश्वास और जातिगत भेदभाव को दूर करने के लिए आत्मा के महत्व को समझना जरूरी है। समस्त चर-अचर जीवों और पूरे ब्रह्मांड में आत्मतत्व की एकरूपता का विचार ही मनुष्य को समानता और सद्भाव की राह दिखाता है।

आत्मज्ञान से जागेगी समभाव की भावना महंत तपस्वी साहेब ने कहा कि प्रत्येक जीव में आत्मा विद्यमान है, लेकिन जब तक मनुष्य इस सत्य को पहचान नहीं पाता, तब तक वह जीवन के वास्तविक उद्देश्य से दूर रहता है। संत-महापुरुषों की वाणी मनुष्य को इसी आत्मतत्व का बोध कराने और भीतर सोई चेतना को जागृत करने का मार्ग दिखाती है। कथा के माध्यम से लोगों को आत्मज्ञान, समानता और आपसी सद्भाव का संदेश दिया जाएगा। आयोजन से जुड़े भंवरलाल सुहालका और लोकेश चौधरी ने बताया कि कथा से पहले 26 अक्टूबर को सुबह 9 बजे सोमेश्वर महादेव मंदिर से सुहालका भवन तक ग्रंथ यात्रा निकाली जाएगी। कथा का वाचन सुधाकर साहेब करेंगे। प्रेस वार्ता के अंत में कैलाश प्रजापत ने उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया।

तृतीय चरण: अंतिम दिन 68 अभ्यर्थियों ने दाखिल किए 71 नामांकन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 अक्टूबर। पंचायतीराज आम चुनाव 2026 के तृतीय चरण के तहत उदयपुर जिले की चार पंचायत समितियों में पंचायत समिति सदस्य पद के लिए नामांकन प्रक्रिया में अभ्यर्थियों ने उत्साह दिखाया। जिले की कल्याणपुर, खेरवाड़ा, नयागांव एवं ऋषभदेव पंचायत समितियों के कुल 62 निर्वाचन क्षेत्रों में शुक्रवार को नामांकन के अंतिम दिन 68 अभ्यर्थियों ने 71 नामांकन पत्र दाखिल हुए। इस प्रकार निर्धारित अवधि के दौरान कुल 251 अभ्यर्थियों की ओर से कुल 256 नामांकन पत्र दाखिल किए गए। नामांकन पत्रों की संवीक्षा शनिवार को की जाएगी। वहीं नाम वापसी की अंतिम तिथि 26 अक्टूबर को अपराह्न 3 बजे तक रहेगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव अग्रवाल ने बताया कि नामांकन के अंतिम दिन 23 अक्टूबर को कल्याणपुर पंचायत समिति में सर्वाधिक 23

अभ्यर्थियों ने 23 नामांकन पत्र प्रस्तुत किए। खेरवाड़ा में 20 अभ्यर्थियों ने 20 नामांकन पत्र दाखिल किए। वहीं नयागांव में 12 अभ्यर्थियों ने 14 नामांकन पत्र तथा ऋषभदेव में 13 अभ्यर्थियों ने 14 नामांकन पत्र प्रस्तुत किए।

खेरवाड़ा में सर्वाधिक नामांकन
तृतीय चरण में सर्वाधिक 72 नामांकन खेरवाड़ा पंचायत समिति में प्राप्त हुए। वहीं नयागांव में 68, कल्याणपुर में 66 तथा ऋषभदेव पंचायत समिति में 50 नामांकन पत्र दाखिल किए गए। कल्याणपुर पंचायत समिति के 15 निर्वाचन क्षेत्रों में 66 अभ्यर्थियों ने 66 नामांकन पत्र दाखिल किए। खेरवाड़ा पंचायत समिति के 17 निर्वाचन क्षेत्रों में 72 अभ्यर्थियों ने 72 नामांकन पत्र प्रस्तुत किए। इसी प्रकार नयागांव पंचायत समिति के 15 निर्वाचन क्षेत्रों में 64 अभ्यर्थियों की ओर से 68 नामांकन पत्र दाखिल किए गए। वहीं ऋषभदेव पंचायत समिति के 15 निर्वाचन क्षेत्रों में 49 अभ्यर्थियों ने 50 नामांकन पत्र प्रस्तुत किए।